

હેમચન્દ્રાચાર્ય ઉત્તર ગુજરાત યુનિવર્સિટી, પાટણ. જૂન ૨૦૨૦ થી ક્રમશઃ અમલમાં આવનાર

અભ્યાસક્રમ

સંસ્કૃત બી.એ. સેમેસ્ટર-૪

Sr.	Paper Code	કોર્સનું નામ	કોર્સ ક્રેડીટ
1	403- Core Compulsory	રઘુવંશ સર્ગ-1 કાલિદાસ વિરચિત	4
2	404-Core Compulsory	(૧) કાવ્યપ્રકાશ - આચાર્ય મમ્મટ - ઉલ્લાસ -10 મમ્મટ વિરચિત (વક્રોક્તિ, અનુપ્રાસ, યમક, શ્લેષ, ઉપમા, રુપક, ઉત્પ્રેક્ષા, સમાસોક્તિ, અપહ્નુતિ, નિદર્શના, અર્થાન્તરન્યાસ, દૃષ્ટાંત, વિભાવના, વિશેષોક્તિ, સ્વભાવોક્તિ, વિરોધાભાસ, સંકર,સંસૃષ્ટિ।)	4
3	405-Core Compulsory	(૧) વૈદિક સાહિત્ય (સંવાદ સૂક્તો- પુરુરવા- ઉર્વશી, યમ-યમી, સર્મા- પળી, વિશ્વામિત્ર-નદી, અગ્નિ (1.1), અક્ષ (10.34), જ્ઞાન (10.71)	4
4	403-Core Elective	(૧) રઘુવંશ સર્ગ-1 કાલિદાસ વિરચિત	4
5	404-Core Elective	(૧) કાવ્યપ્રકાશ - આચાર્ય મમ્મટ- ઉલ્લાસ -10 મમ્મટ વિરચિત (વક્રોક્તિ, અનુપ્રાસ, યમક, શ્લેષ, ઉપમા, રુપક, ઉત્પ્રેક્ષા, સમાસોક્તિ, અપહ્નુતિ, નિદર્શના, અર્થાન્તરન્યાસ, દૃષ્ટાંત, વિભાવના, વિશેષોક્તિ, સ્વભાવોક્તિ, વિરોધાભાસ, સંકર,સંસૃષ્ટિ।)	4
6	ઈલેક્ટીવ જીનેરીક	હેમ.ઉ.ગુ.યુનિવર્સિટી પરિપત્ર ક્રમાંક ૧૭૦/૨૦૧૨ પ્રમાણે	

सुधारो - 12

1	403-Core Compulsory	रघुवंश सर्ग-1 कालिदास विरचित	4
---	---------------------	------------------------------	---

सुधारो - अही रघुवंश सर्ग-1 कालिदास विरचितने बडले -

हितोपदेश (नियतांश) मित्रलाभ (निर्णयसागर संस्करण) राभजुं.

सुधारो - 13

2	404-Core Compulsory	(१) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास -10 मम्मट विरचित (वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर, संसृष्टि।)	4
---	---------------------	--	---

सुधारो

अही (१) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास -10 मम्मट विरचित (वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर, संसृष्टि।) ने बडले

(१) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास - 2 अने 10 (नियत अलंकारो)

(1. व्याजोक्ति, 2. अप्रस्तुतप्रशंसा, 3. दीपक, 4. निदर्शना, 5. दृष्टांत, 6. विभावना, 7. विशेषोक्ति अने 8. विरोधाभास) राभजुं.

सुधारो - 14

3	405-Core Compulsory	(१) वैदिक साहित्य (संवाद सूक्तो- पुरुरवा- उर्वशी, यम-यमी, सर्मा-पणी, विश्वामित्र-नदी, अग्नि (1.1), अक्ष (10.34), ज्ञान (10.71)	4
---	---------------------	---	---

सुधारो - (१) वैदिक साहित्य (संवाद सूक्तो- पुरुरवा- उर्वशी, यम-यमी, सर्मा-पणी, विश्वामित्र-नदी, अग्नि (1.1), अक्ष (10.34), ज्ञान (10.71) ने बडले

(१) वैदिक साहित्य - ऋग्वेद नियतांश (अग्निसूक्त (1.1), अक्षसूक्त (10.34), ज्ञानसूक्त (10.71) अने यजुर्वेद नियतांश (शिवसंकल्पमन्त्र, अध्याय - 34, मंत्र 1 थी 6)

(2) उपनिषद् परिचय (नियत उपनिषद् - ईश, केन, कठ, प्रश्न, माण्डुक्य, मुंडक, अैतरेय, तैत्तिरीय अने श्वेताश्वतर) - राभजुं.

सुधारी - 15

1	403-CE	रघुवंश सर्ग-1 कालिदास विरचित	4
---	--------	------------------------------	---

सुधारी - अहीं रघुवंश सर्ग-1 कालिदास विरचितने ढदले -

हितोपदेश (नियतांश) मित्रलाल (निर्णयसागर संस्करण) राखवुं.

सुधारी - 16

2	404-CE	(१) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास -10 मम्मट विरचित (वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर, संसृष्टि ।)	4
---	--------	--	---

सुधारी

अहीं (१) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास -10 मम्मट विरचित
(वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टांत,
विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर, संसृष्टि ।) ने ढदले

(१) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - उल्लास - 2 अने 10 (नियत अलंकारो)

(1. व्याजोक्ति, 2. अप्रस्तुतप्रशंसा, 3. दीपक, 4. निदर्शना, 5. दृष्टांत, 6. विभावना, 7. विशेषोक्ति अने
8. विरोधाभास) राखवुं.